

प्रेषक,

एस0 राजू,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,,  
नैनीताल/उधमसिंह नगर/अल्मोड़ा/  
पिथौरागढ़/बागेश्वर/चम्पावत/देहरादून/पौड़ी/टिहरी/  
चमोली/उत्तरकाशी/रूद्रप्रयाग/हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून. दिनांक: 03, मार्च, 2011

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु बैंक वित्त ब्याज उपादान स्वतः रोजगार योजना (जिला योजना) हेतु प्रथम अनुपूरक अनुदानार्गत धनराशि स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, उद्योग निदेशालय के पत्र संख्या:4021/उ0नि0(दो)-06/बजट जि0यो0/2010-11 दिनांक 15.10.2010 एवं शासनादेश संख्या: 1128/VII-II-10/479-उद्योग /2007 दिनांक 16 अप्रैल 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 में बैंक वित्त ब्याज उपादान स्वतः रोजगार योजना हेतु प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत प्राविधानित धनराशि ₹ 62.20 लाख (रु0 बासट लाख बीस हजार मात्र) निम्न विवरणानुसार व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

जनपद का नाम	स्वीकृत की जा रही धनराशि (रु0 लाख में)
नैनीताल	2.144
उधमसिंह नगर	1.442
अल्मोड़ा	8.299
पिथौरागढ़	9.403
बागेश्वर	8.259
चम्पावत	3.996
देहरादून	3.713
पौड़ी	3.703
टिहरी	5.653
चमोली	7.543
उत्तरकाशी	-----
रूद्रप्रयाग	5.389
हरिद्वार	2.656
<b>कुल योग</b>	<b>62.20</b>

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय उन्हीं मदों में किया जाये, जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2011 तक उपभोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया

जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक: 31.03.2011 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4- धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त योजनायें जिला विकास एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार अनुमोदित प्लान परिव्यय एवं अनुमोदित योजनाओं पर ही व्यय की जा रही है।

5- उक्त जिला योजना में जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैक्टरवार व्यय किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा।

6- स्वीकृत धनराशि जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैक्टरवार व्यय किया जायेगा एवं धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरोक्त शासनादेश दिनांक 30 मार्च, 2010 में उल्लिखित निर्देशानुसार किया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक, 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 105-खादी ग्रामोद्योग, 91-जिला योजना, 01-बैंक वित्त ब्याज उपादान स्वतः रोजगार योजना, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0संख्या: 714/XXVII(2)/2010 दिनांक 18 फरवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 राजू)  
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 3842/VII-II-10/479-उद्योग/2007 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
6. निदेशक, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड।
7. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, खादी बोर्ड, उत्तराखण्ड।
9. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
10. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 11. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. वित्त अनुभाग-2
13. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

S. Raju  
(एस0 राजू)  
प्रमुख सचिव।